नामांक Roll No.

No. of Questions — 14

VU—21—Hindi Sah.

No. of Printed Pages — 7

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2014

हिन्दी साहित्य

(Hindi Sahitya)

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिन प्रश्नों में आंतरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

(5) उत्तर यथासम्भव निर्धारित शब्द-सीमा में ही सुपाठ्य लिखें ।

खण्ड - अ

1. निम्न पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द तक)

कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनों तक कानी कुतिया, सोई उसके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त ।
दाने आये घर के अन्दर, कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर, कई दिनों के बाद
चमक उठी घर भर की आँखें, कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलायी पाँखें, कई दिनों के बाद ।

(क) कविता का शीर्षक लिखिए । 1

(ख) 'शिकस्त' शब्द का अर्थ लिखिए । 1

(ग) 'आँखें चमक उठना' मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए । 2

(घ) 'चूल्हा रोया और चक्की रही उदास' से क्या आशय है ? 2

(ङ) घर में दाने आने के बाद क्या-क्या परिवर्तन दिखाई दिए ? 2

2. निम्न गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द तक)

हमारे साहित्य और संस्कृति के मूल में यह अवलोकन रहा है कि जीव या मानव बुराई से अच्छाई की ओर, हीनता से उच्चता की ओर, असंयम से संयम की ओर, हिंसा से अहिंसा की ओर और पशुता से मनुष्यता की ओर बढ़ा है । जीवन में यदि असत् का, बुरे का बहिष्कार न हो और सत् की, अच्छे की प्रतिष्ठा न की जाय, तो उस जीवन का कोई मूल्य नहीं रहता ।

अतएव जीवनदायी साहित्य को सत्साहित्य कह सकते हैं और सत्साहित्य वही ठहरा जो सद्भावों, सद्गुणों, सत्शक्तियों को बढ़ावे, हमेशा सत्प्रेरणाएँ दे और सत्क्रियाओं में हमें लगावे । और आज का हमारा, हमारे समाज का, हमारे राष्ट्र और विराट रूप में हमारे मानव-जगत का जो अभाव है, उसे दूर करना ही आज के सत्साहित्य का उद्देश्य होना चाहिए ।

(क) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 1

(ख) 'जीव' का पर्यायवाची लिखिए । 1

(ग) 'बहिष्कार' शब्द का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए । 2

(घ) जीवन का महत्व बनाए रखने के लिए हमें किन-किन बातों से बचना चाहिए ? 2

(ङ) आप सत्साहित्य किसे मानेंगे ? 2

खण्ड - ब

3. किसी **एक** विषय पर लगभग 450 शब्दों में निबंध लिखिए : 8

   (i) जल-संरक्षण

   (ii) राजस्थान में पर्यटन

   (iii) बेरोजगारी

   (iv) मिलावट का रोग ।

4. जिला शिक्षा अधिकारी, भीलवाड़ा की ओर से सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर को राजकीय माध्यमिक विद्यालय रूपगढ़, भीलवाड़ा में बोर्ड परीक्षा केन्द्र की स्वीकृति हेतु कार्यालयी पत्र लिखिए । 4

अथवा

अपने आपको सुन्दपुरा, जालौर, राजस्थान मानते हुए अपने थानाधिकारी को मोहल्ले में आये दिन होने वाली चोरियों की शिकायत करते हुए एक पत्र लिखिए ।

5. निम्न प्रश्नों के उत्तर लगभग 20 - 25 शब्दों में लिखिए :

   (क) खबरें कितने प्रकार की होती हैं ? 1

   (ख) एक अच्छे और सफल साक्षात्कार के लिए क्या आवश्यक है ? 1

   (ग) जनसंचार का सबसे पुराना माध्यम क्या है ? 1

   (घ) फोन-इन का क्या आशय होता है ? 1

6. बिम्ब किसे कहते हैं ? कविता में बिम्बों के महत्व को समझाइए ।

   (उत्तर सीमा लगभग 120 शब्द) 4

खण्ड - स

7. निम्न पद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7

(उत्तर सीमा लगभग 120 शब्द)

भर गया है ज़हर से
संसार जैसे हार खाकर,
देखते हैं लोग लोगों को,
सही परिचय न पाकर,
बुझ गई है लौ पृथा की,
जल उठो फिर सींचने को ।

अथवा

पूरन प्रेम को मंत्र महा पन जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ ।
ताही के चारू चरित्र विचित्रनि यों पचिकै रचि राखि बिसेख्यौ ।
ऐसो हियो हितपत्र पवित्र जो आन-कथा न कहूँ अवरेख्यौ ।
सो घन आनँद जान अजान लौं टूक कियौ पर बाँचि न देख्यौ ।

8. निम्न प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 - 50 शब्दों में लिखिए :

(क) श्री रघुनाथ-प्रताप की बात तुम्हैं दस कंठ न जानि परी ।
पंक्ति में निहित भाव सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए । 2

(ख) हेम-कुंभ ले उषा सवेरे-भरती ढुलकाती सुख मेरे ।
मदिर ऊँघते रहते जब — जगकर रचनी भर तारा ।
उक्त पंक्तियों के शिल्प-सौन्दर्य को लिखिए । 2

9. निम्न प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 - 50 शब्दों में लिखिए :

(क) जो है वह खड़ा है,
बिना किसी स्तम्भ के ।
काव्य पंक्ति में चित्रित कवि के मन्तव्य को स्पष्ट कीजिए । 2

(ख) यह दीप अकेला स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो ।
पंक्तियों के प्रतीकार्थ को लिखिए । 2

खण्ड - द

10. निम्न गद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(उत्तर सीमा लगभग 120 शब्द) 7

संवदिया डटकर खाता है और 'अफर' कर सोता है, किंतु हरगोबिन को नींद नहीं आ रही है । ..... यह उसने क्या किया ? क्या कर दिया ? वह किसलिये आया था ? वह झूठ क्यों बोला ? ..... नहीं, नहीं, सुबह उठते ही वह बूढ़ी माता को बड़ी बहुरिया का सही संवाद सुना देगा — अक्षर-अक्षर, 'मायजी, आपकी इकलौती बेटी बहुत कष्ट में है । आज ही किसी को भेजकर बुलवा लीजिए । नहीं तो वह सचमुच कुछ कर बैठेगी । आखिर, किसके लिए वह इतना सहेगी ! ...... बड़ी बहुरिया ने कहा है, भाभी के बच्चों की जूठन खाकर वह एक कोने में पड़ी रहेगी ...... !'

अथवा

कुछ दिनों के बाद मैंने सुना कि शेर अहिंसा और सह-अस्तित्ववाद का बड़ा ज़बरदस्त समर्थक है इसलिए जंगली जानवरों का शिकार नहीं करता । मैं सोचने लगा, शायद शेर के पेट में वे सारी चीजें हैं जिनके लिए लोग वहाँ जाते हैं और मैं भी एक दिन शेर के पास गया । शेर आँखें बंद किए पड़ा था और उसका स्टाफ़ आफ़िस का काम निपटा रहा था । मैंने वहाँ पूछा, "क्या यह सच है कि शेर साहब के पेट के अन्दर, रोज़गार का दफ़्तर है ?"

बताया गया कि यह सच है ।

11. निम्न में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द) 2 × 2 = 4

(क) पठित पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि लेखक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का बचपन में साहित्य के प्रति प्रेम किस प्रकार बढ़ता गया ?

(ख) 'बालक बच गया' कहानी के मूल कथ्य को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) दो रुपयों में प्राप्त बोधिसत्व की मूर्ति को फ्रांसीसी डीलर दस हजार रुपयों में भी लेने को क्यों उत्सुक था ?

12. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' **या** हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्यिक परिचय लगभग 100 शब्दों में लिखिए । 4

खण्ड - य

13. निम्न प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लगभग 50 शब्दों में लिखिए : 4 × 2 = 8

(क) 'यह फूस की राख न थी, उसकी अभिलाषाओं की राख थी ।'

सूरदास की क्या-क्या अभिलाषाएँ थीं और उनकी राख किसने की ?

(ख) 'पर्वतारोहण-संस्थान' से क्या आशय है ?

(ग) लेखक ने विभिन्न प्रकार के फूलों की क्या-क्या उपयोगिता बताई है ?

(घ) लेखक ने वर्तमान सभ्यता को खाऊ-उजाड़ू कहा है । इससे आप कहाँ तक सहमत हैं ?

(ङ) सूरदास अपने जीवन-भर की कमाई को खोने के बाद भी अपनी आर्थिक हानि को गुप्त क्यों रखना चाहता था ?

14. "भूपदादा सांप थे, छिपकली थे, बनमानुष थे या रोबोट थे ?" कथन के आधार पर भूपसिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए । 6